Daily Current Affairs

Date : 11 March, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	'महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी' - आमेर (जयपुर)
2.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. "संसदीय संस्कृति का उत्कर्ष : नवाचारों के 2 वर्ष" पुस्तक 2. राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2026 विधानसभा से पारित 3. राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण (NHIS) संबंधी बैठक : जयपुर 4. 7वीं सीनियर नेशनल पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में कृष्णा नागर के 2 पदक 5. 'शेपिंग टुमॉरोज सिटीज' फ्रॉम क्लाइमेट रिस्क टू ग्रीन अपॉर्च्युनिटीज' पुस्तक 6. शतरंज खिलाड़ी वाणी जैन 7. सावन खान दबड़ी का निधन 8. 'राजस्थान कृषि उपज मण्डी प्रांगण भूमि अर्जन नीति' का अनुमोदन 9. मिशन 'हरियालो राजस्थान' के तहत आगामी मानसून हेतु लक्ष्य 10. राजस्थान का पहला इंटीग्रेटेड रिसोर्स रिकवरी पार्क : जयपुर
3.	रणजी ट्रॉफी
4.	भारत में व्यवसाय करने की सुगमता (Ease of Doing Business)
5.	केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल: स्थापना दिवस
6.	नीति आयोग की नई मुख्य कार्यकारी अधिकारी
7.	लामितिये अभ्यास 2026
8.	हरित अमोनिया और हरित मेथनॉल के लिए मानक
9.	सफेद फास्फोरस
10.	डार्कनेट
11.	प्रोबा - 3 मिशन
12.	नीति आयोग ने प्राकृतिक कृषि पर रिपोर्ट
13.	हथियारों के अंतर्राष्ट्रीय हस्तांतरण के रुझान 2025 रिपोर्ट

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

'महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी' - आमेर (जयपुर)

चर्चा में क्यों?

- 10 मार्च, 2026 को राजस्थान विधानसभा द्वारा 'महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जयपुर विधेयक, 2025' ध्वनिमत से पारित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **घोषणा :** राजस्थान बजट 2024-25 में।
- **स्थान :** ₹100 करोड़ से अधिक की लागत से जयपुर के आमेर में 'महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय' की स्थापना होगी।
- इस विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स साइंसेज, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स कोचिंग, स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ एंडवेंचर स्पोर्ट्स आदि क्षेत्रों में अध्ययन व प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
- साथ ही, यह विश्वविद्यालय बॉयो मैकेनिक्स, फिजियोथैरेपी, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, डेटा एनालिसिस, स्पोर्ट्स मेडिसिन और न्यूट्रिशन साइंस जैसे क्षेत्रों में भी एक केंद्र के रूप में कार्य करेगा।
- यह विश्वविद्यालय 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020' और 'खेलो भारत नीति – 2025' के उद्देश्यों का पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा।
- **नोट :** खेलो भारत नीति 2025 भारत सरकार द्वारा 1 जुलाई, 2025 को शुरू की गई एक पहल है। इसका मुख्य उद्देश्य देश में एक सशक्त, समावेशी और प्रदर्शन-आधारित खेल इकोसिस्टम तैयार करना है। यह नीति 2001 की पुरानी राष्ट्रीय खेल नीति का स्थान लेती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **विश्वविद्यालय सलाहकार परिषद :** इसमें कुलाधिपति से नियुक्त राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त व्यक्ति अध्यक्ष होंगे। इनके साथ कुलगुरू, युवा मामले एवं खेल विभाग के प्रमुख शासन सचिव, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के अध्यक्ष या नामित व्यक्ति, नेताजी सुभाष राष्ट्रीय क्रीडा संस्थान पटियाला के कार्यकारी निदेशक, अंतरराष्ट्रीय खेलों में रैफरी या अम्पायर कार्य के लिए मान्यता प्राप्त दो प्रमुख खिलाड़ी, ओलम्पिक या विश्व चैम्पियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले पाँच खिलाड़ी, अर्जुन, द्रोणाचार्य, गुरू वशिष्ठ या महाराणा प्रताप पुरस्कार प्राप्त दो खिलाड़ी, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में फिजियोथैरेपी संकायाध्यक्ष सदस्य होंगे।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (आर्थिक समीक्षा 2025-26):

- **खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 :** राजस्थान में 24 नवम्बर से 5 दिसम्बर, 2025 तक सभी संभागीय मुख्यालयों में 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025' का आयोजन किया गया। जिसमें 24 खेल विधाओं में प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।
- **खेलो इंडिया यूथ गेम्स – 2025 :** बिहार में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में राजस्थान ने कुल 60 पदक (24 स्वर्ण, 12 रजत एवं 24 कांस्य) जीतकर तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- **38वें राष्ट्रीय खेल :** उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में राजस्थान के खिलाड़ियों ने 43 पदक (9 स्वर्ण, 11 रजत एवं 23 कांस्य) जीते।
- **खेल जीवन बीमा योजना :** राजस्थान सरकार द्वारा खिलाड़ियों को सुरक्षा कवरेज प्रदान करने हेतु 'खेल जीवन बीमा योजना' प्रारम्भ की गई है, जिसके अन्तर्गत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को ₹25 लाख तक का दुर्घटना एवं जीवन बीमा उपलब्ध कराया जा रहा है।
- **एक जिला-एक खेल योजना :** जिला स्तर पर खेलों में विशेषज्ञता को सुदृढ़ करने हेतु 'एक जिला-एक खेल योजना' प्रारम्भ की गई है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक जिले के लिए एक प्रमुख खेल का चयन किया गया है।
- **मिशन ओलंपिक्स-2028 :** 50 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, खेल किट एवं कोचिंग सहायता।
- **खेलों में महिला भागीदारी बढ़ाने हेतु :** जयपुर, भरतपुर और उदयपुर में आवासीय बालिका खेल संस्थान स्थापित।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**"संसदीय संस्कृति का उत्कर्ष : नवाचारों के 2 वर्ष" पुस्तक** ■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाल ही में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान (जयपुर) में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा लिखित पुस्तक "संसदीय संस्कृति का उत्कर्ष : नवाचारों के 2 वर्ष" का विमोचन किया। ■ कार्यक्रम के दौरान वासुदेव देवनानी द्वारा पूर्व में लिखित पुस्तक "सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि" के द्वितीय संस्करण का विमोचन भी किया गया।
2.	**राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2026 विधानसभा से पारित** ■ 10 मार्च, 2026 को 'राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2026' विधानसभा से ध्वनिमत से पारित किया गया। ■ संशोधन विधेयक के माध्यम से दो से अधिक संतानों वाले प्रत्याशी भी नगरीय निकायों के चुनावों में भाग ले सकेंगे। ■ साथ ही, संशोधन विधेयक में 'राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009' में परिभाषित खतरनाक रोग की सूची से कुष्ठ रोग को बाहर कर दिया गया है ताकि कुष्ठ प्रभावित या उपचारित व्यक्तियों के साथ कोई भेदभाव ना हो।
3.	**राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण (NHIS) संबंधी बैठक : जयपुर** ■ राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा अप्रैल, 2026 से देश का पहला राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण (NHIS) शुरू किया जाएगा। इसी संबंध में हाल ही में जयपुर में एक महत्त्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। ■ जयपुर में इस सर्वेक्षण के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सर्वेक्षण करने वाले प्रगणकों और सांख्यिकीय अधिकारियों को डेटा संग्रह की बारीकियों और पद्धतियों के बारे में प्रशिक्षित करना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	**7वीं सीनियर नेशनल पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में कृष्णा नागर के 2 पदक** ■ हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित 7वीं सीनियर नेशनल पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में जयपुर के कृष्णा नागर ने 2 पदक जीते। ■ उन्होंने पुरुष एकल (SH6) और मिश्रित युगल (SH6) दोनों श्रेणियों में स्वर्ण पदक जीते। ■ **पुरुष एकल SH6 वर्ग :** सुदर्शन एम.एस. को 21-10, 21-19 से हराया। ■ **मिश्रित युगल SH6 वर्ग :** नित्याश्री सुमथी शिवन के साथ मिलकर सुदर्शन एम.एस. और श्रेया कुमारी की जोड़ी को 21-7, 21-11 से हराया।
5.	**'शेपिंग टुमॉरोज सिटीज' फ्रॉम क्लाइमेट रिस्क टू ग्रीन अपॉर्च्युनिटीज' पुस्तक** ■ हाल ही में, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा राजस्थान की मूल निवासी शालिनी अग्रवाल (IAS) की पुस्तक 'शेपिंग टुमॉरोज सिटीज : फ्रॉम क्लाइमेट रिस्क टू ग्रीन अपॉर्च्युनिटीज' का विमोचन किया। ■ **विषय :** यह पुस्तक तेजी से हो रहे शहरीकरण की चुनौतियों को स्थायी और जलवायु-लचीले शहरों में बदलने के अवसरों पर केंद्रित है।
6.	**शतरंज खिलाड़ी वाणी जैन** ■ हाल ही में, महिला एवं बाल विकास को समर्पित संस्था वूमन पावर सोसाइटी फाउंडेशन (WPSF) ने राजस्थान की शतरंज खिलाड़ी वाणी जैन को अपने राष्ट्रीय खेलकूद विभाग का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया। ■ वाणी जैन विगत दो वर्षों से खेलों के प्रति समर्पित हैं और उन्होंने विभिन्न स्थानों पर कैंप लगाकर बच्चों को शतरंज सिखाने का कार्य किया है।
7.	**सावन खान दबड़ी का निधन** ■ जैसलमेर के ख्यातनाम सूफी गायक और अंतरराष्ट्रीय लोक कलाकार सावन खान दबड़ी का 9 मार्च, 2026 को 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ■ वे जैसलमेर के पहले कलाकार थे, जिन्होंने कोक स्टूडियो जैसे प्रतिष्ठित मंच पर अपनी गायकी का प्रदर्शन किया। ■ उन्होंने 'उमर माडू', 'मिठो कागलो' और 'रांगार चैन' जैसे कई प्रसिद्ध लोकगीत गाए। बॉलीवुड फिल्म 'हाईवे' के गीत "तकदीर तख्त चढ़ायो" में भी उनका योगदान रहा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

8.	**'राजस्थान कृषि उपज मण्डी प्रांगण भूमि अर्जन नीति' का अनुमोदन** ■ 10 मार्च, 2026 को मुख्यमंत्री ने मण्डी विकास से संबंधित भूमि अर्जन की प्रक्रिया पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए 'राजस्थान कृषि उपज मण्डी प्रांगण भूमि अर्जन नीति' का अनुमोदन किया। ■ इस नीति से मण्डी समितियों के प्रांगण में आधारभूत संरचनाएँ सुदृढ़ होने के साथ ही कृषि उपज के विपणन की व्यवस्था अधिक सुगम बनेगी।
9.	**मिशन 'हरियालो राजस्थान' के तहत आगामी मानसून हेतु लक्ष्य** ■ राज्य में हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित मिशन 'हरियालो राजस्थान' के तहत आगामी मानसून - 2026 में 10 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ■ इस मिशन के अंतर्गत वर्ष 2024 से 2028 तक राज्य में कुल 50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ■ वर्ष 2024 में "मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान" के अंतर्गत 7 करोड़ पौधरोपण लक्ष्य के विरुद्ध 7.22 करोड़ पौधे लगाए गए। इसी प्रकार मानसून - 2025 में 10 करोड़ लक्ष्य के मुकाबले 11.74 करोड़ से अधिक पौधरोपण कर लक्ष्य से अधिक उपलब्धि प्राप्त की गई। ■ पौधरोपण कार्यक्रम की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए तीन-स्तरीय टास्क फोर्स की व्यवस्था की गई है। इसके तहत राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय टास्क फोर्स, जिला स्तर पर जिला कलेक्टर तथा उपखण्ड स्तर पर उपखण्ड अधिकारी की अध्यक्षता में टास्क फोर्स कार्य करेगी।
10.	**राजस्थान का पहला इंटीग्रेटेड रिसोर्स रिकवरी पार्क : जयपुर** ■ जयपुर के थोलाई (जमवारामगढ़) में राजस्थान का पहला इंटीग्रेटेड रिसोर्स रिकवरी पार्क स्थापित किया गया है। ■ **वेस्ट टू वंडर पार्क :** मानसरोवर, जयपुर। ■ **जीरो वेस्ट पार्क :** आंधी गांव, जयपुर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

रणजी ट्रॉफी

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक को हराकर पहली बार रणजी ट्रॉफी क्रिकेट का खिताब जीत लिया।

मुख्य बिन्दु:

- **प्लेयर ऑफ द सीरीज:** आकिब नबी
- **मैन ऑफ द मैच :** शुभम पुंडीर
- **आयोजन:** सत्र 2025-26 रणजी ट्रॉफी का फाइनल मैच कर्नाटक के हुबली स्थित KSCA क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किया गया।
- **विजेता :** जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम (कप्तानी : पारस डोगरा)
- **उपविजेता :** कर्नाटक
- **टूर्नामेंट :** 15 अक्टूबर, 2025 से 28 फरवरी, 2025 तक।
- **NOTE :** सत्र 2024-25 में रणजी ट्रॉफी विदर्भ ने केरल को हराकर जीती थी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

भारत में व्यवसाय करने की सुगमता (Ease of Doing Business)

चर्चा में क्यों?

- हाल के वर्षों में, कई डिजिटल पहल शुरू की गई हैं, जिन्होंने भारत में 'व्यवसाय करने की सुगमता' को बेहतर बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुख्य बिन्दु:

प्रमुख डिजिटल पहलें

व्यवसाय पंजीकरण और विनियमन

- **MCA21 वर्जन 3:** ई-स्क्रूटनी और ई-निर्णय (e-adjudication) सुविधाओं के साथ एंड-टू-एंड रजिस्ट्री सेवाओं के लिए एक AI-संचालित प्लेटफॉर्म।
- **SPICe+ फॉर्म:** 10 आवश्यक प्रक्रियाओं (जैसे DIN, PAN, TAN और GSTIN) को एकल वेब फॉर्म में समेकित करता है।
- **अन्य:** MSME पंजीकरण के लिए उद्यम पोर्टल, अनुपालन बोझ को कम करने के लिए बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान।

निकासी और पर्यावरणीय मंजूरी

- **PARIVESH 3.0:** सुव्यवस्थित पर्यावरणीय एवं वन मंजूरी के लिए AI और GIS-आधारित लैंड बैंक का उपयोग करता है।
- **e-Gram SWARAJ:** विकास निधि के उपयोग की ट्रैकिंग के लिए।
- राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली 32 केंद्रीय विभागों और राज्यों में अनुमोदन प्रदान करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

कराधान और व्यापार सुविधा

- **GSTN और ई-वे बिल:** स्वचालित कराधान तंत्र।
- **TReDS (व्यापार प्राप्य बट्टा प्रणाली):** MSME लिक्विडिटी (नकदी प्रवाह) के लिए TReDS की सुविधा देने वाला इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म।

लॉजिस्टिक्स और बाजार पहुँच

- **पीएम गतिशक्ति NMP:** लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और अंतिम-मील कनेक्टिविटी में सुधार के लिए।
- **ULIP (यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म):** वास्तविक समय में कार्गो ट्रैकिंग के लिए विभिन्न मंत्रालयों की 35+ प्रणालियों को एकीकृत करता है।

डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI)

- **यूनिफाइड इंटरफेस:** APIs (एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) सेतु के रूप में कार्य करते हैं, जिससे निर्बाध डेटा प्रवाह संभव होता है।
- **स्केलेबल भुगतान:** GSTN और UPI बड़े पैमाने पर लेन-देन की मात्रा को सुगम बनाते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल: स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

- 10 मार्च, 2026 को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) का 57वाँ स्थापना दिवस मनाया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **स्थापना:** 10 मार्च, 1969 (केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम 1968 के तहत्)
- **अधीन :** CISF, गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- **उद्देश्य:** संसाधनों के इष्टतम उपयोग, लगातार कौशल को उन्नत करने और मुख्य दक्षताओं को विकसित करने, अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने और समग्र सुरक्षा समाधान प्रदान करने के माध्यम से लागत प्रभावी तरीके से संगठन के दृष्टिकोण को साकार करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **संगठन :**

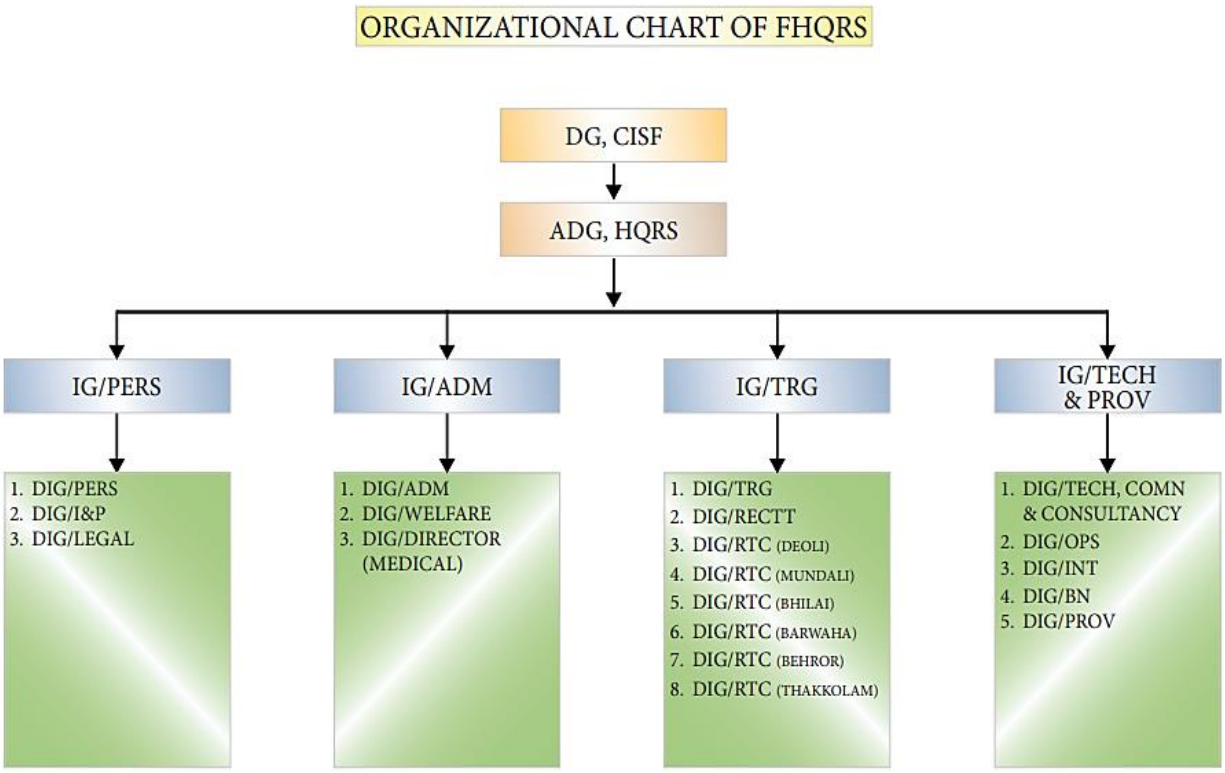

- **सिद्धांत:** "संरक्षण और सुरक्षा"
- **लोकाचार :** "अभेद्य सुरक्षा"
- **वर्तमान महानिदेशक :** प्रवीर रंजन

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

नीति आयोग की नई मुख्य कार्यकारी अधिकारी

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ कैडर की वर्ष 1994 बैच की IAS अधिकारी निधि छिब्बर को सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) नियुक्त किया।

मुख्य बिन्दु:

- **नियुक्ति:** कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा।
- **निधि छिब्बर :** यह नीति आयोग में विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (DMEO) की महानिदेशक के रूप में कार्यरत थी।
- इससे पूर्व छिब्बर नीति आयोग में अतिरिक्त सचिव के रूप में नामित किया गया था और अप्रैल, 2025 में उन्हें खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में विशेष कर्तव्य अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- **नीति आयोग (NITI: National Institution for Transforming India)- भारत के रूपान्तरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान**
- **स्थापना :** 1 जनवरी, 2015 को योजना आयोग (मार्च, 1950) के स्थान पर कार्यकारी प्रस्ताव द्वारा स्थापित किया गया।

नीति आयोग के वर्तमान पदाधिकारी :

- **अध्यक्ष :** नरेंद्र मोदी (भारत के प्रधानमंत्री)
- **उपाध्यक्ष :** सुमन बेरी
- **CEO :** निधि छिब्बर

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **संगठन:**

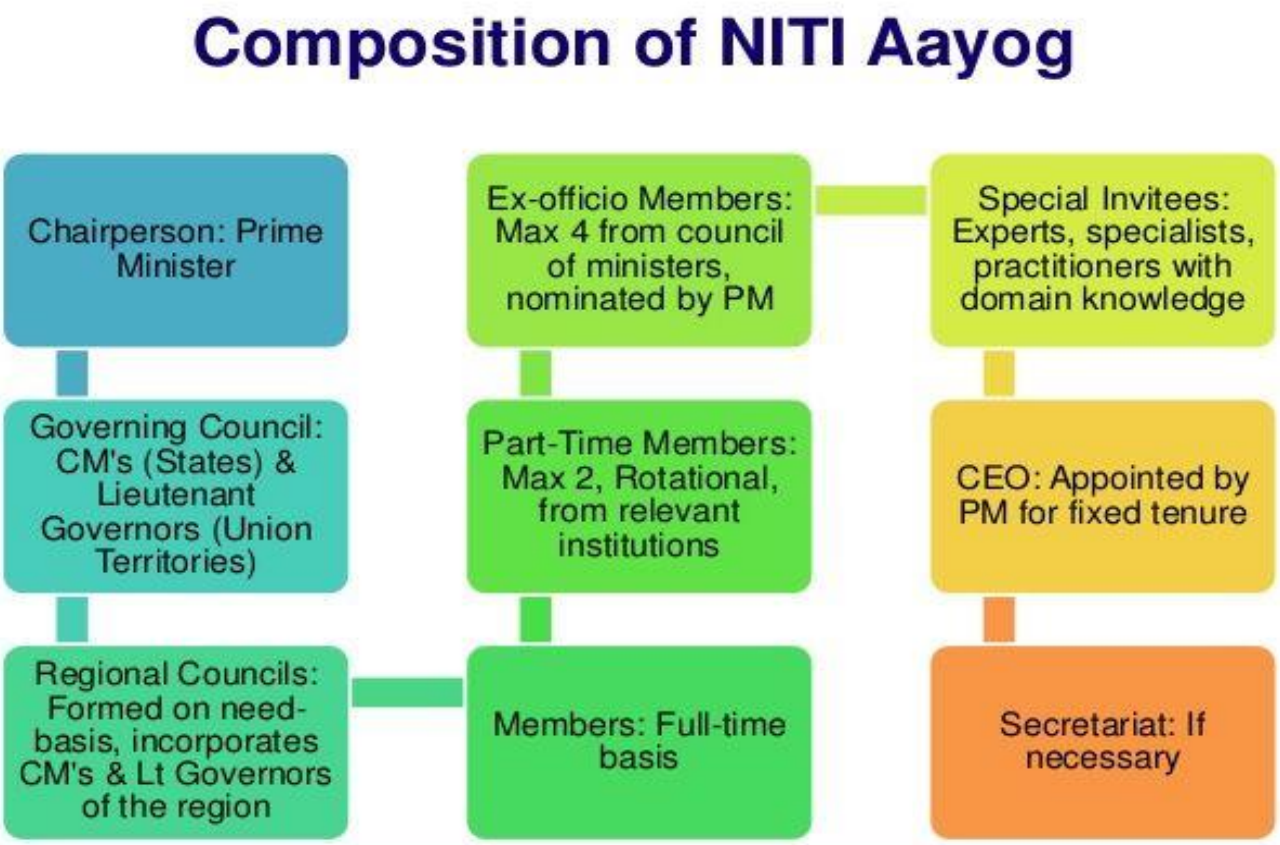

- **नीति आयोग के 7 स्तंभ:**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **नीति आयोग की प्रमुख पहलें : SDG इंडिया इंडेक्स, समग्र जल प्रबंधन सूचकांक, स्कूल शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक, जिला अस्पताल सूचकांक, स्वास्थ्य सूचकांक, भारत नवाचार सूचकांक, कृषि विपणन और किसान हितैषी सुधार सूचकांक, सुशासन सूचकांक, अटल नवाचार मिशन, SATH परियोजना, आकांक्षी जिला कार्यक्रम, वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया अवार्ड्स, महिला उद्यमिता मंच, 75 वर्ष के नए भारत की रणनीति, मेथनॉल अर्थव्यवस्था कार्यक्रम ई-अमृत पोर्टल**

नीति आयोग बनाम योजना आयोग:

Comparative Analysis of Planning Commission and NITI Aayog

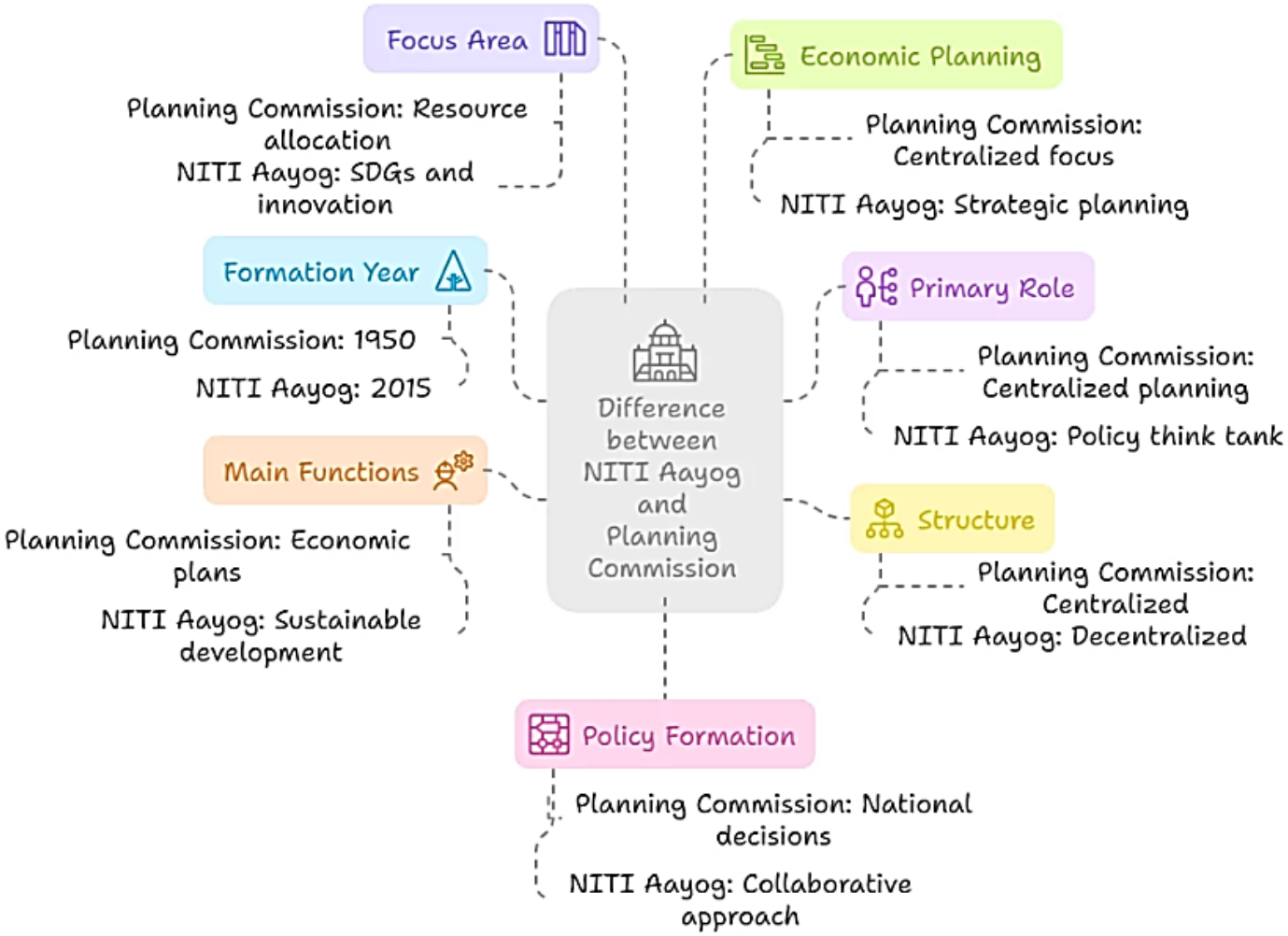

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

लामितिये अभ्यास, 2026

चर्चा में क्यों?

- भारतीय सशस्त्र बलों का एक दल लामितिये अभ्यास, 2026 में भाग लेने के लिए सेशेल्स पहुँचा।

मुख्य बिन्दु:

लामितिये अभ्यास

- यह भारत और सेशेल्स के बीच प्रत्येक दो वर्षों पर आयोजित होने वाला संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
- वर्ष 2026 के संस्करण में भारत की ओर से पहली बार तीनों सेनाएँ भाग ले रही हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

हरित अमोनिया और हरित मेथनॉल के लिए मानक

चर्चा में क्यों?

- 7 मार्च, 2026 को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (NGHM) के तहत् हरित हाइड्रोजन उत्पादों के व्यापार हेतु हरित अमोनिया और हरित मेथनॉल के लिए उत्सर्जन मानक अधिसूचित किए।

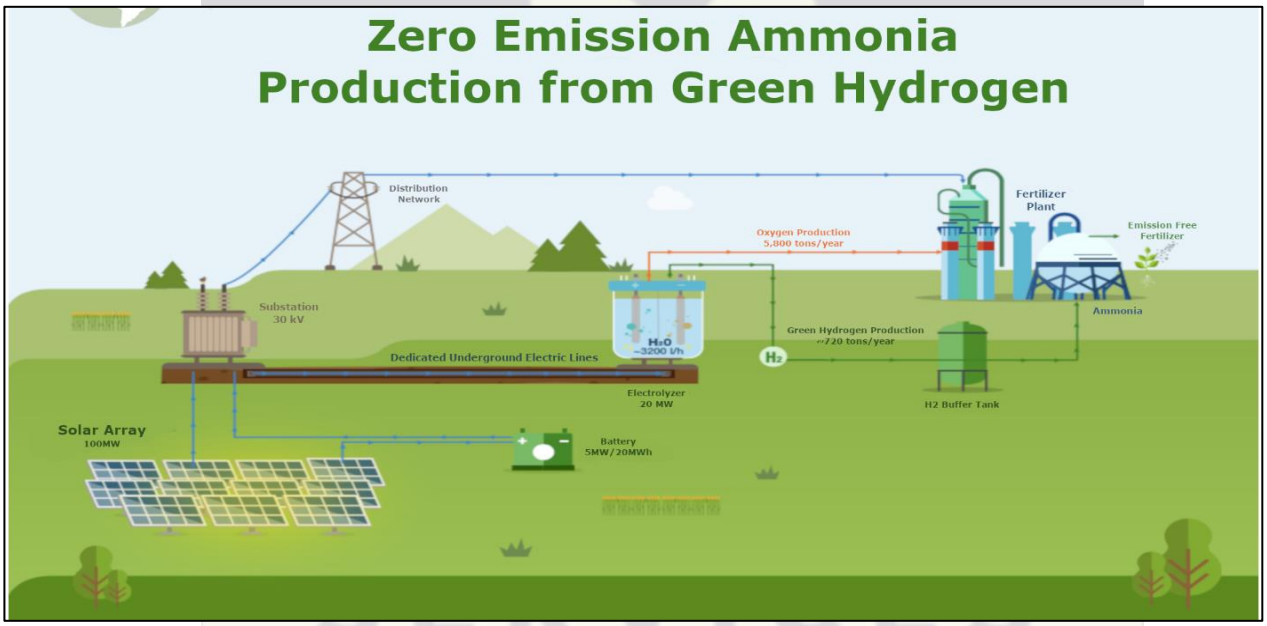

मुख्य बिन्दु:

- **मानक स्थापित करने का उद्देश्य :** भारत में ग्रीन हाइड्रोजन डेरिवेटिव्स के विकास और व्यापार को बढ़ावा देना।

भारत के लिए ग्रीन अमोनिया मानक :

1. **ग्रीन अमोनिया सीमा:** भारत के नए ग्रीन अमोनिया मानक के लिए आवश्यक है कि कुल गैर- बायोजेनिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 0.38Kg कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) समतुल्य प्रति किलोग्राम अमोनिया (Kg CO_2 eq/kg NH_3) से अधिक नहीं होना चाहिए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2. **ग्रीन अमोनिया वर्गीकरण :** यह मानक अमोनिया को 'ग्रीन' के रूप में वर्गीकृत करने के लिए अनुमत अधिकतम उत्सर्जन स्तर को परिभाषित करते हैं।

3. **उत्सर्जन गणना :** उत्सर्जन गणना में तीन हाइड्रोजन उत्पाद, अमोनिया संश्लेषण, शुद्धिकरण, संपीड़न और ऑन-साइट भंडारण से होने वाला उत्सर्जन शामिल है। इसकी गणना पिछले 12 माह के औसत के रूप में की जाती है।

- **ग्रीन अमोनिया :** ग्रीन अमोनिया एक कार्बन न्यूट्रल, नवीकरणीय ईंधन और उर्वरक फीडस्टॉक है जिसका उत्पादन पवन या सौर ऊर्जा का उपयोग करके इलेक्ट्रोलाइसिस के माध्यम से उत्पन्न ग्रीन हाइड्रोजन को नाइट्रोजन के साथ मिलाकर किया जाता है।

भारत के लिए ग्रीन मेथनॉल मानक :

1. **ग्रीन मेथनॉल सीमा:** भारत के ग्रीन मेथनॉल मानक के लिए आवश्यक है कि कुल गैर-बायोजेनिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 0.44Kg कार्बन डाईऑक्साइड (CO_2) समतुल्य प्रति किलोग्राम ($kgCO_2eq/kgCH_3-OH$) से अधिक नहीं होगा चाहिए।

2. **ग्रीन मेथनॉल वर्गीकरण :** यह मानक मेथनॉल को "ग्रीन" के रूप में वर्गीकृत करने के लिए आवश्यक उत्सर्जन सीमा को परिभाषित करते हैं।

3. **उत्सर्जन गणना :** उत्सर्जन गणना में ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन, मेथनॉल संश्लेषण, शुद्धिकरण और ऑन-साइट भंडारण से होने वाला उत्सर्जन शामिल है, इसकी गणना भी 12 माह के औसत के रूप में की जाती है।

4. **ग्रीन मेथनॉल स्रोत :** अधिसूचना के अनुसार ग्रीन मेथनॉल उत्सर्जन के लिए CO_2 बायोजेनिक स्रोतों, डायरेक्ट एयर कैप्चर (DAC) या मौजूदा औद्योगिक स्रोतों से प्राप्त की जा सकती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **ग्रीन मेथनॉल:** यह कम कार्बन वाला, नवीकरणीय तरल ईंधन और रासायनिक फीडस्टॉक है जो बायोमास (वायो मेथनॉल) या ग्रीन हाइड्रोजन से उत्पादित होता है।
- यह पारंपरिक जीवाश्म आधारित मेथनॉल का एक टिकाऊ, मेट जीरो विकल्प है, जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 60-95% तक कम करने में सक्षम है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन:

- **लॉन्च:** जनवरी, 2023 (घोषणा बजट 2021-22 में)
- **लक्ष्य:** वर्ष 2030 तक देश में हरित हाइड्रोजन की उत्पादन क्षमता 5 मिलियन टन प्रतिवर्ष हासिल करना।
- **मंत्रालय :** नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार।

मिशन की रणनीति:

1. ग्रीन हाइड्रोजन हब का विकास।
2. ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम की स्थापना।
3. सार्वजनिक-निजी भागीदारी से क्रियान्वयन।
4. अनुसंधान व विकास (रणनीतिक हाइड्रोजन नवाचार भागीदारी - SHIP)।
5. समन्वित कौशल विकास कार्यक्रम

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

सफेद फास्फोरस

चर्चा में क्यों?

- ह्यूमन राइट्स वॉच ने लेबनान में इजरायल द्वारा सफेद फास्फोरस के उपयोग का दावा किया है। यह एक प्रकार का रासायनिक हथियार है।

मुख्य बिन्दु:

सफेद फास्फोरस

- **गुणधर्म:** यह एक पारभासी (translucent), पीले-सफेद रंग का मोम जैसा ठोस पदार्थ है।
- यह अंधेरे में चमकता है और हवा के संपर्क में आते ही तुरंत जलने लगता है।
- **मुख्य खतरे:** यह मनुष्यों के लिए अत्यधिक विषाक्त है। यह त्वचा और गहरे ऊतकों में गंभीर जलन पैदा करता है, और यदि इसे सांस के जरिए अंदर लिया जाए या निगल लिया जाए, तो यह शरीर के आंतरिक अंगों को भारी नुकसान पहुंचाता है।
- **हथियार के रूप में उपयोग:** मुख्य रूप से स्मोक स्क्रीन बनाने और रोशनी के लिए आग जलाने वाले पदार्थ के रूप में उपयोग किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

डार्कनेट

चर्चा में क्यों?

- नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने जनवरी, 2025 से देशभर में सक्रिय 'टीम कल्कि' नामक डार्कनेट ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है।

मुख्य बिन्दु:

डार्कनेट

- डार्कनेट इंटरनेट का वह हिस्सा है, जिसे जानबूझकर छिपाया जाता है और इसे सामान्य वेब ब्राउज़र या सर्च इंजन के माध्यम से एक्सेस नहीं किया जा सकता है।
- इस तक पहुँचने के लिए विशेष सॉफ्टवेयर (TOR), कॉन्फ़िगरेशन की आवश्यकता होती है।
- उपयोगकर्ता गुमनाम रहते हैं और एन्क्रिप्शन के माध्यम से उनकी पहचान और स्थान गुप्त रखे जाते हैं। डार्कनेट, डीप वेब का एक उपसमूह है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इसका इस्तेमाल नशीले पदार्थों की बिक्री, अश्लील सामग्री के आदान-प्रदान और अन्य अवैध गतिविधियों के लिए किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रोबा - 3 मिशन

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेन्सी (ESA) का प्रोबा-3 मिशन के 2 उपग्रहों में से एक कोरोग्राफ अंतरिक्ष यान से संपर्क टूट गया तथा यान साइलेंट सर्वाइवल मोड़ में चला गया।

Aspect	Details
Mission Overview	Proba-3 is a pioneering ESA mission involving two spacecraft, demonstrating precision formation flying in space. The goal is to form a 144-meter-long solar coronagraph for study of the Sun's corona (It is being tried 1st time in the world) 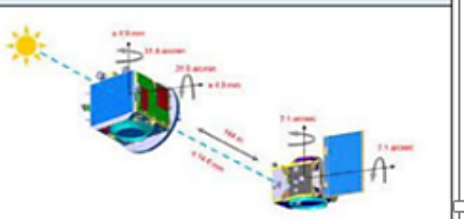
Precision Formation Flying	Proba-3's two satellites, the Coronagraph spacecraft and the Occulter spacecraft, autonomously maintain formation to a few millimetres at distances of 144 m or more for six hours at a time. This autonomous formation opens possibilities for future large-scale missions, including Mars Sample return and satellite de-orbiting.
Technology Validation	Proba-3 serves as a space laboratory to validate strategies, guidance, navigation, control algorithms, and key technologies like metrology instruments. Techniques and simulators developed will have broader applications, preparing for future space missions.
Role of ESA and PSLV	ESA is responsible for designing and implementing the mission, while PSLV is the launch vehicle. Proba-3 signifies a significant step in formation flying, placing the spacecraft in a highly elliptical orbit of 600 x 60530 km.
About Sun's Corona	The Sun's corona is the outermost layer of its atmosphere, characterized by a faint, ghostly glow.
	Studying the Sun's corona is essential for unravelling mysteries about solar processes, enhancing space weather predictions, and gaining insights into the broader implications of solar activity on both the solar system and Earth.

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय :** विश्व का पहला सटीक फॉर्मेशन-फ्लाइंग मिशन है, जिसे सूर्य के वायुमंडल के अध्ययन हेतु डिजाइन किया गया है।
- **निर्माण व डिजाइन :** यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA)
- **लॉन्च :** ISRO के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 5 दिसम्बर, 2024 को PSLV-C-59 रॉकेट द्वारा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **उद्देश्य :** अंतरिक्ष में कृत्रिम सूर्य ग्रहण का सृजन करना ताकि सूर्य के धुंधले बाहरी वायुमंडल कोरोना का अवलोकन किया जा सके।

विशेषताएँ:

- **उद्देश्य/लक्ष्य:** सटीक फॉर्मेशन फ्लाइंग का प्रदर्शन करना।
- **दोहरी अंतरिक्ष यान प्रणाली:** 2 स्वतंत्र उपग्रह; कोरोनोग्राफ (कैमरा ले जाने वाला) और ऑकल्टर (सूर्य के प्रकाश को अवरूद्ध करना) शामिल हैं।
- **सटीक उड़ान संरचना :** दोनों उपग्रहों ने सटीक 150 मीटर की दूरी बनाए रखी।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु

आधार	प्रोबा-3	आदित्य एल 1
फोकस क्षेत्र	सौर कोरोना और अंतरिक्ष मौसम	सौर कोरोना, फोटोस्फीयर और क्रोमोस्फीयर।
उपग्रह गणना	दो उपग्रह एक साथ लॉन्च।	एकल उपग्रह मिशन।
प्रक्षेपण यान	ISRO का PSLV रॉकेट।	ISRO का PSLV रॉकेट।
कक्षा	अत्यधिक अंडाकार कक्षा।	L-1 (लैग्रेंज बिंदु-1) के चारों ओर परिक्रमा।
अवलोकन समय	प्रतिदिन अधिकतम 6 घंटे।	L-1 पर निरंतर सौर अवलोकन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

नीति आयोग ने प्राकृतिक कृषि पर रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- नीति आयोग ने "किसानों का सशक्तीकरण: प्राकृतिक कृषि प्रशिक्षण टूलकिट और सर्वोत्तम अभ्यास मार्गदर्शिका" (Empowering Farmers: Natural Farming Training Toolkit & Best Practices Guide) शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की है।

मुख्य बिन्दु:

प्राकृतिक कृषि

- यह एक रसायन मुक्त, पशुधन आधारित खेती प्रणाली है, जो पारिस्थितिक सिद्धांतों पर आधारित है।
- यह विधि जैव विविधता को अधिकतम करने के लिए फसलों, वृक्षों और जानवरों को एकीकृत करती है, जिससे पर्यावरणीय संरक्षण बना रहता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह खेत में और आसपास होने वाली प्राकृतिक प्रक्रियाओं पर निर्भर करती है, जिससे बाहरी रासायनिक इनपुट की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

प्राकृतिक कृषि के लाभ

- **आर्थिक लाभ:** प्रमुख फसलों में खेती की लागत को कम से कम 5-10% और कई मामलों में 20-55% तक कम करती है।
- **पर्यावरण और पारिस्थितिकी:** ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन को 55-85% तक कम करती है।
- यह संसाधनों का महत्त्वपूर्ण रूप से संरक्षण करती है, जिससे जल और बिजली में 50-60% की बचत होती है।
- **मृदा स्वास्थ्य और अनुकूलन:** यह मृदा जैविक कार्बन को 45% तक बढ़ाती है और मृदा के लाभकारी सूक्ष्मजीवों का संवर्धन करती है।
- **स्वास्थ्य और पोषण सुरक्षा:** सिंथेटिक कीटनाशकों और उर्वरकों से पूरी तरह बचाकर किसानों एवं उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा करती है।
- **पशुधन एकीकरण:** पशुधन को कृषि-पारिस्थितिकी खेती प्रणाली में सीधे एकीकृत करके उन्हें आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाती है।

प्राकृतिक कृषि के लिए राष्ट्रीय स्तर की पहलें

- **भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (BPKP):** इसे परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत एक उप-योजना के रूप में शुरू किया गया है।
- **राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन:** इसका लक्ष्य 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक कृषि अपनाने के लिए सहमत करना है।
- **अन्य प्रमुख योजनाएँ:** रासायनिक खेती से प्राकृतिक खेती की ओर संक्रमण का समर्थन करने वाली अन्य सरकारी योजनाओं में पीएम प्रणाम योजना, सतत (सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टूवर्ड्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन), और गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन (गोबरधन) शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

हथियारों के अंतर्राष्ट्रीय हस्तांतरण के रुझान 2025 रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) ने "हथियारों के अंतर्राष्ट्रीय हस्तांतरण के रुझान 2025" शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की।

मुख्य बिन्दु:

- सिपरी एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय संस्थान है। यह संघर्ष, हथियार, हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण से संबंधित विषयों पर शोध करता है।
- **भारत दूसरा सबसे बड़ा आयातक**: वर्ष 2021–25 के दौरान भारत वैश्विक स्तर पर मुख्य हथियारों का दूसरा सबसे बड़ा आयातक रहा। पहले स्थान पर यूक्रेन था।
- इस अवधि में भारत का हिस्सा कुल वैश्विक हथियार आयात का 8.2% था।
- 2016–2020 और 2021–2025 की अवधि के बीच भारत द्वारा कुल हथियार आयात में 4.0% की कमी दर्ज की गई। यह कमी आंशिक रूप से भारत में ही हथियारों के डिजाइन और उत्पादन क्षमता में वृद्धि के कारण हुई है।
- **शीर्ष आपूर्तिकर्ता:** 2021–25 के दौरान भारत के लिए प्रमुख हथियार आपूर्तिकर्ता थे: रूस (40%), फ्रांस (29%) और इजरायल (15%)।
- **पश्चिमी देशों की ओर झुकाव:** हथियारों के आयात के मामले में पिछले एक दशक में भारत ने रूस पर निर्भरता को कम करते हुए पश्चिमी देशों की ओर रुख किया है, विशेष रूप से फ्रांस, इजरायल और अमेरिका की ओर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR